>

Title: Reported killings by NDFB militants in Sonitpur district of Tezpur Parliamentary Constituency in Assam.

श्री जोसेफ टोप्पो (तेजपुर): महोदय, मैं आपको धन्यवाद देता हूं कि आपने एक महत्वपूर्ण विषय पर बोलने का मौका दिया। मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान कल दिनांक 8 नवंबर को मेरे संसदीय क्षेत्र तेजपुर असम में हुयी घटना की ओर दिलाना चाहता हूं।

कल मेरे संसदीय क्षेत्र तेजपुर के सोनितपुर जिले में 5 अलग-अलग स्थानों पर एन. डी. एफ. बी. के उग्रवादियों ने हमला कर 20 से अधिक लोगों को मार डाला तथा 15 से अधिक लोग इन हमलों में गम्भीर रूप से घायल हो गए। यह हमला खास तौर पर हिंदीभाषी लोगो पर किया गया। जिसमें पहले हमले में सोनितपुर जिले के बोईमारी गांव के नजदीक एक बस पर एन. डी. एफ. बी. उग्रवादियों ने हमला किया तथा बस में से 10 हिंदीभाषी लोगों को चुन-चुनकर उतारा और पास में ही जंगल में इन यात्रियों की हत्या कर दी, इनमें अधिकतर व्यक्ति अरूणाचल प्रदेश सरकार के कर्मचारी थे।

दूसरा हमला भी सोनितपुर जिले के बेलसिरी गांव में एक हिंदीभाषी परिवार पर किया गया, जिसमें एक महिला सहित 5 लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गयी। इसी प्रकार से तीन अन्य स्थानों पर हुगराजुली, बतासीपुर एवं केकरीकुची गांव में भी हमला कर इन उग्रवादियों ने दो लोगों को मार दिया और बीस से अधिक लोगों को बुरी तरह घायल कर दिया जिसमें से अधिकतर की हालत गंभीर है। केवल एक सप्ताह पहले ही एन. डी. एफ. बी. के उग्रवादियों ने यह धमकी दी थी कि वे उनके एक साथी के मारे जाने पर 20 लोगों को मारेंगे और वही हुआ।

एक सप्ताह पहले एक एनडीएफबी उग्रवादी पुलिस के हाथों मारा गया था और उन उग्रवादियों ने कल मासूम लोगों पर हमला कर इसका बदला लिया। करीब दस दिन पहले ही राज्य के कोकराझार इलाके में एक गांव में उन उग्रवादियों ने गोलीबारी की और गरीब आदिवासियों के घरों में आग लगाकर वहां से उन्हें खदेड़ दिया था। असम की राज्य सरकार हर घटना के बाद एक ही बयान देती है कि हम स्थिति पर नजर रख रहे हैं और कड़े कदम उठाए जाएंगे, लेकिन हर बार उग्रवादी साफ बचकर निकल जाते हैं और मारे जाते हैं केवल गरीब मजदूर किसान एवं आम आदमी खासकर हिन्दी भाषी। पिछले तीन-चार वर्षों से जिस प्रकार हिन्दी भाषी लोगों पर चुन-चुनकर हमले किए जा रहे हैं, उससे मजबूर होकर लाखों मजदूर असम से पलायन कर चुके हैं और असम की राज्य सरकार के पास इस समस्या का कोई इलाज नहीं है।

राज्य सरकार इस बोडो समस्या से निपटने के लिए दोहरी नीति अपना रही है। एक तरफ जहां बोडो इलाके से आदिवासियों को हटाया जा रहा है वहीं सोनितपुर जिले में बोडो समर्थकों को जमीन का पट्टा देकर वहां बसाया जा रहा है। इससे यह समस्या और खराब होती जा रही है।...(व्यवधान)

कल जिस प्रकार एक ही जिले के पांच अलग-अलग स्थानों पर एक साथ हमला किया गया, वह यह साबित करता है कि ये उग्रवादी कितने ताकतवर हो गए हैं कि जब चाहें कहीं पर भी हमला कर लोगों को मार सकते हैं। राज्य सरकार आम जनता को सुरक्षा प्रदान कराने में पूरी तरह विफल है और कानून-व्यवस्था नाम की कोई चीज असम में नहीं रह गई है। पिछली बार जब एनडीएफबी उग्रवादियों ने सोनितपुर जिले के विस्वनाथ चारियाली इलाके में एक गांव पर हमला कर एक साथ 15 ग्रामीण लोगों को मार दिया था तब राज्य सरकार ने कहा था कि हमारे पास सुरक्षा के लिए पुलिस बल की कमी है तथा कम से कम 40 हजार और पुलिस बल और सेना के जवानों की आवश्यकता है। यदि यह सही है कि असम में पुलिस बल की कमी है तो केन्द्र सरकार को इस बारे में उचित कदम उठाने चाहिए जिससे असम के आम नागरिकों को सुरक्षा मिले।

महोदय, मेरा आपके माध्यम से सरकार से निवेदन है कि तुंत असम की राज्य सरकार को इस संबंध में उचित कदम उठाने के लिए कहा जाए जिससे आम आदमी में अपनी सुरक्षा का विश्वास हो सके, राज्य में शांति कायम हो सके।

MR. CHAIRMAN : Shri Ramen Deka and Shri Kabindra Purkayastha are allowed to associate with the issue raised by Shri Joseph Toppo.